Page No.: 01
Date: 11/05/20

# The need hierarchy Model
## (आवश्यकता पदानुक्रम मॉडल)

आवश्यकता पदानुक्रम मॉडल का प्रतिपादन मैस्लो ने 1943 ई० में अपनी लिखी पुस्तक "The theory of Human Motivation" के एक पेपर (प्रस्तुत) किया। Hierarchy of need के बारे में लिखा किया।

इस Theory में उन्होंने एक पिरामिड बनाया और बताया की मनुष्य हमेशा एक चीज पाने के बाद दूसरी चीज पाने के लिए आगे बढ़ता है अर्थात इसमें उन्होंने कहा कि "व्यक्ति की आवश्यकताओं को प्रेरणा के अनुसार एक पिरामिड के रूप में दर्शाया जा सकता है। इस क्रम में अभाव तथा वृद्धि दोनों तरह की आवश्यकताएँ शामिल है।"

इसमें Maslow ने 5 मूलभूत आवश्यकताओं का उल्लेख किया है जो निम्न है —

1. शारीरिक आवश्यकता
2. सामाजिक आवश्यकता
3. सम्बद्धता की आवश्यकता
4. सम्मान की आवश्यकता
5. आत्मसाक्षात्कार या आत्मसिद्धि की आवश्यकता

Maslow's का कहना है कि मानव अभिप्रेरक जो केवल क्रमवार होते हैं व्यक्ति की जरूरतों की प्राथमिकता के आधार पर आरोही पदानुक्रम में व्यवस्थित किया जा सकता है।

## Maslows Hierarchy of Needs (Model) :(Pyramid) :-

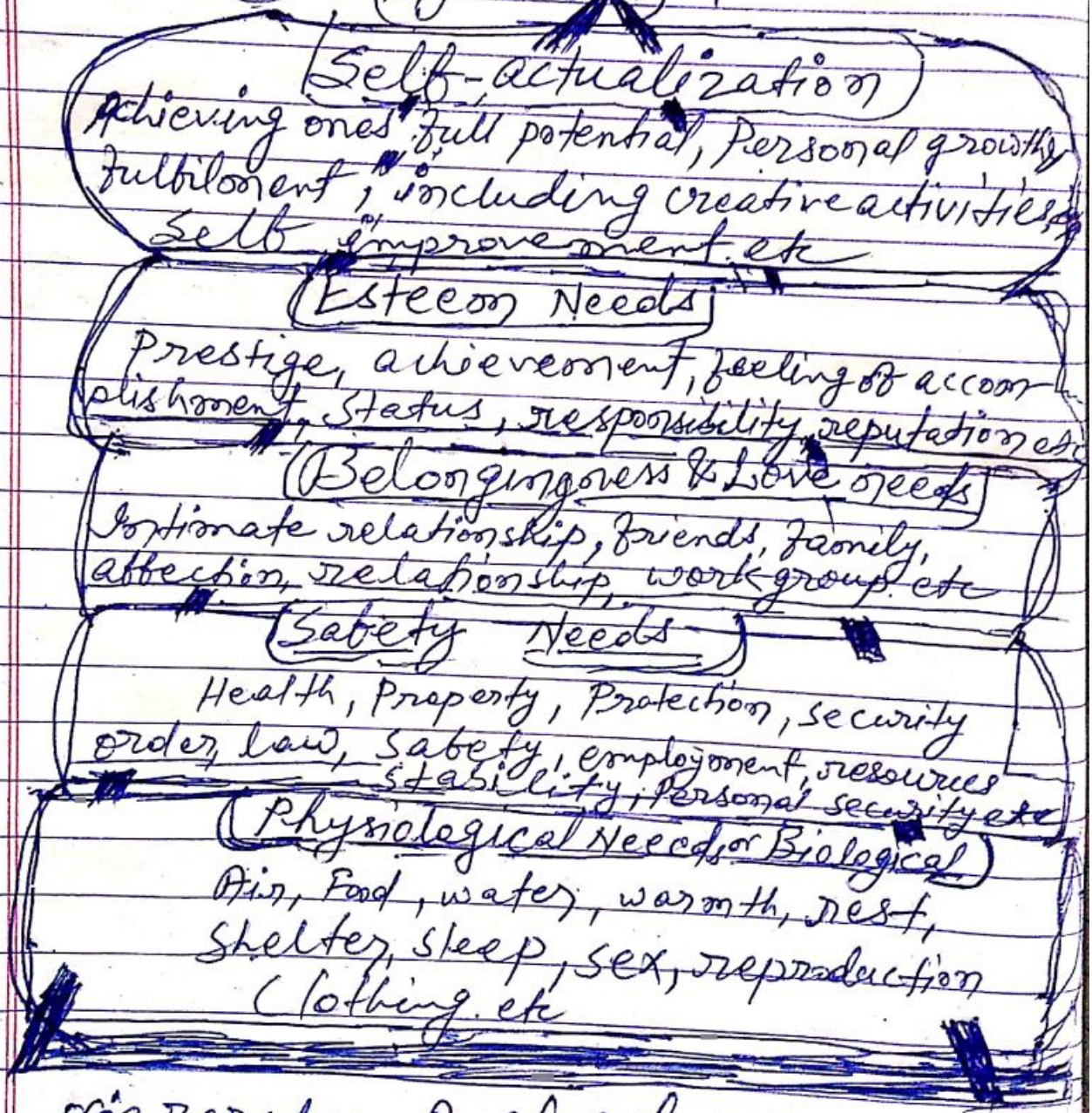




Hierarchy of Need Pyramid Model.

1. Physiological needs (शारीरिक आवश्यकताऐं):

व्यक्ति की शारीरिक आवश्यकताओं को Maslow's ने अपने पदानुक्रम में सबसे निम्न स्थान दिया है। इसमें भोजन करने की आवश्यकता, पानी पीने की आवश्यकता, सोने की आवश्यकता, सांस की आवश्यकता, आच्छादन या निम्न पदक्रम से बचने की आवश्यकता पिरामिड के सबसे निचले स्तर की आवश्यकताओं में आता है। इस प्राथमिक स्तर की आवश्यकताओं का नाम दिया गया है। इनके अभाव में व्यक्ति स्वयं को जीवित रखने की कल्पना भी नहीं कर सकता है। व्यक्ति सर्वप्रथम शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। ये आवश्यकताएं जैविक संपोषण से सम्बन्धित हैं।

2. Safety needs (सुरक्षा की आवश्यकताएं) :- Maslow's का मानना था कि इंसान की बुनियादी जरूरतों को पूरा होने से संतुष्ट होने जाने पर पदानुक्रम के दूसरे स्तर की आवश्यकताएँ व्यक्ति में उत्पन्न होती हैं। यह दूसरे

स्तर की आवश्यकताएं सुरक्षा की आवश्यकता है। सुरक्षा की आवश्यकता में व्यक्ति विभिन्न प्रकार के युद्धों, दुर्घटनाओं, डर, शारीरिक सुरक्षा, निश्चितता, बचाव, आदि असुरक्षा से बचने का प्रयास करता है। सुरक्षा की आवश्यकता में शारीरिक तथा सांवेगिक दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाने की आवश्यकता भी सम्मिलित होती है

3. Belonging and love needs
(सम्बद्धता और स्नेह की आवश्यकता):-

Maslow का मानना है कि जब व्यक्ति Safety need से संतुष्ट हो जाता है तब व्यक्ति में आवश्यकताओं के पदानुक्रम के तीसरे स्तर की आवश्यकताएं उत्पन्न होती हैं। यह तीसरे स्तर की आवश्यकताएं दूसरों से प्यार पाने और दूसरों को प्यार करने की होती हैं। आसक्ति या अटैचमेंट नीड की संज्ञा दी गई है। यह मानव

जरूरतों के एक और आधिक अमूर्त दूसरे में प्रवेश करना शुरू कर देता है परिवार, दोस्तों, समूह और रिश्तों का हिस्सा होने के रूप में सामंजस्यपूर्ण मानव संबंधों को बनाए रखने के बारे में है।

4. Esteem Needs (सम्मान की आवश्यकताएँ)

मैस्लो का विचार है कि एक व्यक्ति उपरोक्त सभी स्तर की आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाने के बाद आवश्यकताओं के पदानुक्रम के चौथे क्रम की आवश्यकताएँ, "सम्मान की आवश्यकताएँ" उत्पन्न होती है। इसमें व्यक्ति आत्मसम्मान तथा दूसरों से सम्मान पाने की आवश्यकता का अनुभव करता है। सम्मान की आवश्यकता, सामाजिक जरूरतों से ऊपर हमारी क्षमताओं की आत्म-मान्यता के साथ-साथ दूसरों की मान्यता से जुड़े हुए हैं। इसमें सम्मानित, प्रशंसनीय और प्रतिष्ठित होने के लिए इंसान की आवश्यकताओं से जुड़ी हमारी जो व्यक्ति में गरिमा की भावना उत्पन्न करते हैं।

इसमें व्यक्ति सकारात्मक उपलब्धियों के लिए परिणामों, रचनात्मक प्रतिक्रियाओं, मान्यता और प्रतिष्ठा के लिए विभिन्न चीज़ों की तलाश करता है।

5. आत्मसिद्धि की आवश्यकताएँ (Self actualization Needs) :-

मैस्लो द्वारा वर्णित आवश्यकताओं के पदानुक्रम मॉडल के शीर्ष पर व्यक्ति तब पहुंचता है जब निचले स्तर की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद व्यक्ति में आत्मसिद्धि की आवश्यकताएं उत्पन्न होती है।

इसमें व्यक्ति ज्ञान की तलाश, समझ का विकास, सौंदर्य, जीवन में अर्थ की तलाश और अपनी संभावनाओं को साकार करने की इच्छा प्रबल होती है, जो इंसान के आगामी सफर की दिशा और दशा तय करती है।

यह विकास से जुड़ी जरूरतों और अपने लक्ष्यों की उपलब्धि होगी: चुनौतियां, आजादी, सपनों की प्राप्ति और आत्म नियंत्रण पर काबू पाने से है।

Maslow के अनुसार आत्मसिद्धि एक जटिल सम्प्रत्यय है जहाँ सभी लोग नहीं पहुँच पाते। आत्मसिद्धि से अभिप्राय स्वयं की क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता से है अर्थात व्यक्ति अपनी क्षमताओं एवं योग्यताओं के अनुसार कुछ कर पाना ही आत्मसिद्धि है। अनेक बार व्यक्ति अपने जीवन की जटिलताओं में व्यक्ति विषम परिस्थितियों का सामना करता है और नीचे स्तर की आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने में लगा रहता है जिससे वह सबसे उँचे स्तर पर नहीं पहुँच पाता और स्वयं की क्षमताओं का विकास नहीं कर पाता। इस प्रकार आत्मसिद्धि सबसे उपरी स्तर की आवश्यकता है।

Maslow के आवश्यकता पदानुक्रम मॉडल के प्रथम तीन आवश्यकताएँ प्रधान है जो निम्न स्तर की है। इनके अभाव में व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता है। बाद की दो आवश्यकताएँ गौण है जो उच्च स्तर की है। इनके अभाव में व्यक्ति जीवित रह सकता है। ये मनुष्य को अभिप्रेरित करती है।

11/05/20
Dr. S.K. Suman, Asst. Prof.
Dept. of Psychology
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner